मुख्यमंत्री भजनलाल आज वंदे गंगा जल संरक्षण आंदोलन का शुभारंभ करेंगे

वे जमवारामगढ़ में वृक्षारोपण व श्रमदान, केशोरायपाटन में जल पूजन व भरतपुर में गंगा मंदिर में विशेष पूजा करेंगे

जयपुर, 4 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेशभर में "वंदे गंगा जल संरक्षण" जन अभियान की महत्वपूर्ण पहल की है। विश्व पर्यावरण दिवस एवं गंगा दशहरा (5 जून) के शुभ संयोग पर शुरू होने जा रहे इस अभियान के अंतर्गत, 20 जून तक विभिन्न विभागों द्वारा प्रदेशभर में जल संरक्षण के व्यापक कार्य किए जाएंगे। इस अभियान के सफल संचालन के लिए प्रदेश के 41 जिलों में मंत्रियों को नियोजित किया गया है।

अभियान के पहले दिन 5 जून को प्रदेशभर में विभिन्न विभागों द्वारा नर्सरियों में विशेष स्वच्छता कार्यक्रम, तुलसी पौध वितरण, प्लास्टिक का उपयोग कम करने की शपथ, श्रमदान, जल स्रोतों की साफ-सफाई व मरम्मत, वंदे गंगा कलश यात्रा, नदी-बांध-सरोवर का पूजन एवं हरियालो राजस्थान के अंतर्गत पौधरोपण की तैयारी के साथ-साथ कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान के तहत कार्यों का अवलोकन एवं स्वीकृति जैसे प्रमुख कार्य किए जाएंगे।

विश्व पर्यावरण दिवस और गंगा दशहरा के शुभ अवसर पर मुख्यमंत्री जयपुर के जमवारामगढ में वृक्षारोपण करेंगे। वहीं, मोरी के निकट, रामगढ बांध पर श्रमदान करेंगे। इसके बाद वे विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर केशोरायपाटन में मुख्यमंत्री 'वंदे गंगा' जल पूजन, चुनरी महोत्सव एवं कलश पूजन कार्यक्रम में शिरकत करेंगे और समारोह में जल स्वावलंबन अभियान 2.1 के अंतर्गत, बूंदी जिले के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे। मुख्यमंत्री केशवराय भगवान मंदिर में पूजा-अर्चना भी करेंगे। उसके बाद शाम को भरतपुर पहुंचेंगे, जहां वे गंगा मंदिर में विशेष पूजा और सुजानगंगा में दीपदान करेंगे।

निर्जला एकादशी (6 जून) के दिन रेल्वे स्टेशन, बस स्टेण्ड आदि सार्वजनिक स्थानों पर वंदे गंगा जल सेवा, जल परीक्षण अभियान, जलाशयों से गाद निकालना एवं पशु-पक्षियों के लिए पीने के साफ पानी की व्यवस्था के संबंध में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। सात जून को अभियान पर संगोष्ठियां तथा 8 जून को ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायत एवं शहरी क्षेत्रों में वॉर्ड स्तर पर वंदे गंगा प्रभात फेरी और जागरूकता अभियान रैली आयोजित की जाएगी। प्रधानमंत्री मोदी की केन्द्र सरकार 9 जून को 11 साल पूरे कर रही है। इस दिन प्रदेश में नवीन अमृत सरोवर कार्यक्रम का शुभारंभ होगा।

- अभियान के पहले दिन नर्सरियों में विशेष स्वच्छता कार्यक्रम, तुलसी पौधा वितरण, प्लास्टिक उपयोग कम करने की शपथ, श्रमदान, जल स्रोतों की सफाई, वंदे गंगा कलश यात्रा, नदी-सरोवर-बाँध पूजन तथा पौधारोपण के कार्यक्रम होंगे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय कार्यशाला को संबोधित करेंगे।

कार्यक्रम के बाद, मुख्यमंत्री बूंदी के लिए रवाना होंगे, जहां वे

बॉम्बे लॉयर्स एसोसिएशन ने सुप्रीम कोर्ट के मु. न्यायाधीश को पत्र लिखा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली। 4 जून। संवैधानिक संस्थाओं की निष्ठा और जवाबदेही को मजबूत करने के उद्देश्य से, बॉम्बे लॉयर्स एसोसिएशन (बीएलए) ने भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी.आर. गवई को पत्र लिखकर न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा, जो वर्तमान में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश हैं, के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 और भारतीय न्याय संहिता, 2023 के तहत आपराधिक अभियोजन शुरू करने की अनुमति मांगी है।

यह मांग 14 मार्च 2025 को न्यायमूर्ति वर्मा के सरकारी आवास (30 तुगलक रोड, नई दिल्ली) में लगी आग की उस घटना के बाद आई है, जिसमें कथित रूप से 15 करोड़ रुपये की अधजली नकदी, फायर ब्रिगेड कर्मियों द्वारा बरामद की गई थी। घटना के समय न्यायमूर्ति वर्मा दिल्ली उच्च न्यायालय में जज के पद पर कार्यरत थे।

2 जून 2025 को बीएलए अध्यक्ष अधिवक्ता अहमद अब्दी और सचिव अधिवक्ता एकनाथ आर. धोकेले द्वारा हस्ताक्षरित पत्र में एसोसिएशन ने मुख्य न्यायाधीश से आग्रह किया है कि एफआईआर दर्ज करने की अनुमति दी जाए, क्योंकि उपलब्ध साक्ष्य संज्ञेय अपराधों की ओर इशारा करते हैं।

- इन वकीलों ने मु. न्यायाधीश से आग्रह किया कि वे न्यायाधीश वर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के लिए अपनी सहमति प्रदान करें।

पत्र में कहा गया है कि तुरंत कार्यवाई इसलिए जरूरी है ताकि "सबूत सुरक्षित रहें और कानून का राज कायम रहे।"

पत्र आगे कहता है कि रिकॉर्ड पर आ चुके मामले की गंभीरता के बावजूद, अब तक न तो कोई एफआईआर दर्ज हुई है और न ही अधिकृत जाब्ते या पंचनामे की कार्यवाही की गई है। यह निष्क्रियता जाँच प्रक्रिया की सत्यनिष्ठा पर गंभीर प्रश्न खड़े कर रही है।

बीएलए ने अपने पत्र में 1991 के के. वीरास्वामी बनाम भारतीय संघ केस में सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ के फैसले का हवाला दिया है, जिसमें कहा गया था कि न्यायाधीश भी पीसी एक्ट के तहत "लोक सेवक" हैं और भारत के मुख्य न्यायाधीश की अनुमति से उन पर मुकदमा चलाया जा सकता है।

बीएलए ने यह भी आग्रह किया है कि 3 मई को तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना को सौंपी गई इन-हाउस समिति की रिपोर्ट, जिसमें न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ आरोप बताए गए हैं, सार्वजनिक की जाए।

8 मई को सुप्रीम कोर्ट की प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया था कि यह रिपोर्ट और न्यायमूर्ति वर्मा का 6 मई का उत्तर राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को भेज दिया गया है। बीएलए ने जस्टिस वर्मा के अभियोजन की शुरुआत के लिए सीजेआई की स्वीकृति की माँग करते हुये, इस बात को रेखांकित किया है कि कानून के समक्ष सभी बराबर हैं तथा संस्थागत जवाबदेही जरुरी है।

इधर उच्चस्तरीय सरकारी सूत्रों ने बताया कि केन्द्र सरकार उच्च न्यायालय के वर्तमान न्यायाधीश न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग की कार्यवाही शुरू करने की तैयारी कर रही है, जिन पर भ्रष्टाचार के आरोप हैं। उनके दिल्ली स्थित सरकारी आवास से बड़ी मात्रा में नकदी बरामद होने के बाद उन पर ये आरोप लगे हैं।

किसी वर्तमान न्यायाधीश के खिलाफ महाभियोग की कार्यवाही भारत के संवैधानिक ढांचे की सबसे दुर्लभ और संवेदनशील प्रक्रियाओं में से एक है। सूत्रों के अनुसार, संसद के आगामी सत्र में उन्हें पद से हटाने (महाभियोग) के लिए प्रस्ताव पेश किया जाएगा।

प्रदेशवासी पर्यावरण अभियानों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लें

जयपुर, 4 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विश्व पर्यावरण दिवस एवं गंगा दशहरा की पूर्व संध्या पर वीडियो के माध्यम से प्रदेशवासियों के नाम संदेश दिया है। उन्होंने संदेश में 5 जून से प्रारंभ हो रहे 'वंदे गंगा' जल संरक्षण जन अभियान एवं 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेने का आ ान किया है। शर्मा ने कहा कि राजस्थान अपनी जल संरक्षण परंपराओं की वजह से पूरे देश-दुनिया में पहचान रखता है। दौसा की चांद बावडी से लेकर थार में बनाए जाने वाले टांके प्रदेश की समृद्ध जल संरक्षण परंपरा के प्रतीक हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने रहीमदास जी के प्रसिद्ध दोहे 'रहिमन पानी राखिए....बिन पानी सब सून.....' का उल्लेख करते हुए कहा कि 5 जून को हम हर वर्ष की तरह विश्व पर्यावरण दिवस मनाने जा रहे हैं। संयोग से इस दिन गंगा दशहरा भी है और इसके अगले दिन निर्जला एकादशी है। उन्होंने कहा कि यह संयोग हम सभी को पानी की महत्ता की याद दिला कर जल संरक्षण पर विशेष रुप से ध्यान देने की ओर इशारा कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'वंदे गंगा' जल संरक्षण जन अभियान तथा 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान प्रदेशवासियों के अपने अभियान हैं, इनमें सहभागिता निभाते हुए गंगा दशमी के दिन अपने आसपास के जलस्त्रोत, नदियों, जलधाराओं, तालाबों की पूजा-अर्चना करें।

भूपेश बघेल कांग्रेस पार्टी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लिया गया। अब रंधावा भी उसी गुट का हिस्सा हैं जो वेणुगोपाल को रिपोर्ट करता है।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत थक-हार कर, वेणुगोपाल के जरिए ही पार्टी में वापसी की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने पहले गांधी परिवार और सोनिया गांधी के खिलाफ बगावत की थी, इसलिए अब गहलोत की वापसी के लिये राहुल गांधी को मनाना वेणुगोपाल के लिए भी कठिन हो रहा है।

अंबिका सोनी भी गहलोत का समर्थन कर रही हैं, लेकिन वे भी कोई खास असर नहीं डाल पा रही हैं, भले ही सोनिया गांधी उनकी बातों को तवज्जो देती हैं।

एआईसीसी में कुछ नेतागण तो वेणुगोपाल का हुकुम मानने के लिये इसलिये बाध्य हैं कि उन्हें पार्टी में बने रहना है, जबकि कुछ लोग ऐसा इसलिये करते हैं क्योंकि उन्हें पार्टी में आगे बढ़ना है तथा अपने लक्ष्य एवं आकांक्षाएं हासिल करनी हैं।

एक वरिष्ठ नेता ने कहा "अगर भूपेश बघेल जैसा प्रियंका गांधी का वफादार नेता भी अपनी व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं के लिए खेमे बदल सकता है, तो यह इस बात का पर्याप्त संकेत है कि एआईसीसी के परिसर में किस तरह की सत्ता की राजनीति चल रही है।"

समझा जाता है कि बघेल की ओबीसी पहचान, पूर्व मुख्यमंत्री होने और एक 'प्रेज़ेंटेबल चेहरा' होने की वजह से वे राहुल गांधी की सोच के मुताबिक़ नेताओं की उस सूची के लिये उपयुक्त हैं, जिन्हें पदोन्नत किया जाना चाहिये।

- हालांकि, ये नेता आम आदमी पार्टी व भाजपा के हाथ में कठपुतली हैं तथा कांग्रेस संगठन पंजाब में धरातल में धंसता जा रहा है। पंजाब के प्रभारी बघेल कुछ भी हस्तक्षेप करने की इच्छा नहीं दिखा रहे, केवल वेणुगोपाल की ओर देख रहे हैं, उनका आदेश जानने के लिए।

जहाँ तक उनके खिलाफ मुकदमे होने तथा एन्फोर्समेन्ट डायरेक्ट्रेट (ईडी) द्वारा उनके पास सम्मन भेजे जाने का प्रश्न है, ये बातें कोई खास महत्व नहीं रखतीं, क्योंकि ईडी ने गांधी परिवार को भी सम्मन भेजे हैं तथा पूछताछ की है।

एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि अब मैदान सबके लिये बराबर एवं समान है।

छः जून को प्र.मंत्री चिनाब...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सहित 26 लोग मारे गए, जिससे इस साल की रिकॉर्ड तोड़ने वाली पर्यटक संख्या पर अचानक विराम लग गया। कश्मीर ऐसा क्षेत्र है जो पर्यटन पर आधारित गुलमर्ग की सुंदरता, डल झील का आकर्षण, और अमरनाथ और वैष्णो देवी इसके प्रमुख आकर्षण है। इस राज्य तक स्थिर और सुरक्षित पहुंच कोई विलासिता नहीं, बल्कि आवश्यकता है।

चेनाब पुल और जल्द शुरू होने वाली कटरा-श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस एक मजबूत संदेश देती हैं: विकास को हिंसा के द्वारा रोका नहीं जा सकता। वंदे भारत ट्रेन को खासतौर पर इस क्षेत्र की जलवायु के अनुसार तैयार किया गया है - इसमें हीटिंग पैड और सेंसर लगे हैं ताकि सर्दियों में बर्फ जमने से बचा जा सके। इससे सर्दियों में जब यह क्षेत्र शेष विश्व से कट जाता है, यात्रा तेज़, आरामदायक और सुरक्षित होगी।

अब तक सीमित हवाई संपर्क और मौसम-आधारित सडकों के कारण पर्यटन मौसम पर निर्भर और अनिश्चित रहता था। लेकिन अब प्रत्यक्ष रेल संपर्क से पर्यटक आसानी से श्रीनगर पहुँच सकेंगे, जिससे मुख्यधारा के पर्यटन के साथ-साथ धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। इससे पूरे साल पर्यटन को स्थिरता मिल सकती है।

बेहतर संपर्क केवल पर्यटक ही नहीं लाता, बल्कि यह रोजगार, आय और आशा भी लाता है। स्थानीय व्यापारी, ट्रांसपोर्टर, होटल मालिक और हस्तशिल्प कारीगर इससे भारी लाभ कमा सकते हैं। यह रेल लाइन कश्मीरी सेब उत्पादकों के लिए भी वरदान साबित होगी - अब सेब एक दिन में ही दिल्ली के बाजारों तक पहुँच सकेंगे, साथ ही घाटी को आवश्यक वस्तुओं और दवाइयों की आपूर्ति भी सुनिश्चित हो सकेगी।

पिछले दो वर्षों में कश्मीर में पर्यटन ने फिर से गति पकड़ी थी, और अप्रैल की त्रासदी से पहले रिकॉर्ड पर्यटक आ रहे थे। इस गति को थमने नहीं देना चाहिए। पुल और ट्रेन सेवा सरकार की "आतंकवाद के बदले विकास" नीति को मूर्त रूप देते हैं। इससे यह संदेश जाता है: लोगों को जोड़ो, क्षेत्र को खोलो और विकास को अंदर आने दो।

चेनाब पुल सिर्फ एक पुल नहीं, बल्कि संघर्ष और पुनर्निर्माण का प्रतीक है। यह कश्मीरियों और संभावित पर्यटकों दोनों को यह विश्वास दिलाता है कि सामान्य स्थिति कोई सपना नहीं, बल्कि एक उभरती हुई वास्तविकता है। यह एक ऐसा कदम है जो सुनिश्चित करता है कि घाटी के भविष्य को भय से परिभाषित न किया जाए।

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

"भारत वह सब प्रदान करता है जिसकी नवप्रवर्तकों और निवेशकों को आवश्यकता है। मैं विश्व को प्रतिभा, बाजार, पूंजी, पारिस्थितिकी तंत्र और खुलेपन की संस्कृति के पाँचों स्तंभों के आधार पर भारत में निवेश करने के लिए आमंत्रित करता हूँ।"

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

भारत में निवेश करें
भविष्य में निवेश करें

भारत में एफडीआई
अभूतपूर्व विकास का खुला द्वार

- वित्त वर्ष 2003-14 में 308.38 अरब डॉलर से वित्त वर्ष 2014-25 में 748.78 अरब डॉलर तक 143% की वृद्धि
- वित्त वर्ष 2024-25 में 81.04 अरब डॉलर का FDI प्रवाह
- पिछले वर्ष से 14% की वृद्धि
- 3 वर्षों में सबसे अधिक
- 2017 से अब तक 1300 + निवेश प्रस्तावों का निपटारा

वैश्विक व्यवसाय भारत को क्यों चुनते हैं ?

नवाचार और अनुसंधान का केंद्र	:	विश्व में AI कौशल में प्रथम स्थान
युवा और कुशल कार्यबल	:	औसत आयु 30 वर्ष से कम, 954 मिलियन से अधिक इंटरनेट उपयोगकर्ता
उदार क्षेत्रों में निवेश	:	रक्षा, दूरसंचार, अंतरिक्ष एवं अन्य
हरित विकास की प्रतिबद्धता	:	जी20 में सबसे तेजी से नवीकरणीय ऊर्जा को अपनाने वाला देश। वर्ष 2070 तक नेट-जीरो उत्सर्जन

एक ऐसा ट्रैक रिकॉर्ड जिस पर आप भरोसा कर सकते हैं

- स्थिर नीतिगत ईकोसिस्टम
- सुधार आधारित शासन
- उम्मीद के अनुरूप विनियामक रूपरेखा
- भारत के आधारभूत आर्थिक पहलुओं पर वैश्विक विश्वास

#InvestInIndia | #FDIIndia | #MakeInIndia | #IndiaMeansBusiness

www.nsws.gov.in | www.dpiit.gov.in | Follow us: @dpiit_moci | @DPIITGoI

CBC 05201/13/0002/2526

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908